शहीद के परिवार को 5 लाख रूपए और एक नौकरी का अवसर देगा संस्थान

- यूपीईएस में आयोजित शहीद स्मारक क्रिकेट टूर्नामेंट का 11वां संस्करण

भास्कर समाचार सेवा

आयोजित शहीद स्मारक क्रिकेट टूर्नामेंट में प्रतिभाग करते खिलाड़ी।

देहरादून। मल्टीडिसप्लनेरी विश्वविद्यालय यूपीईएस ने प्रोजेक्ट नमन के तहत अपने वार्षिक शहीद स्मारक क्रिकेट टूर्नामेंट के 11वें संस्करण का उद्घाटन किया। यह पहल भारतीय सशस्त्र बलों के वीरों के प्रति एक भावभीनी श्रद्धांजलि है और राष्ट्र के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा के लिए आभार के रूप में उनके परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

इस वर्ष, यह टूर्नामेंट 4 पैरा स्पेशल फोर्स के एक बहादुर सैनिक, वीरगति प्राप्त पीटीआर अमित कुमार अंथवाल को सम्मानित करता है, जिन्होंने 5 अप्रैल 2020 को जम्मू और कश्मीर के कुपवाड़ा केरन सेक्टर में एक ऑपरेशन के दौरान देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। उत्तराखंड के पौड़ी जिले के कोला गांव के रहने वाले अमित कुमार अंथवाल का जीवन साहस और देशभक्ति का उदाहरण है। उनके माता-पिता नागेंद्र प्रसाद अंथवाल (77) और भगवती देवी (65) हैं, जो अब देहरादून के भाऊवाला में रहते हैं।

प्रोजेक्ट नमन के अंतर्गत, यूपीईएस उस शहीद पैरा-ट्रूपर के परिवार को 5 लाख रूपए की सहायता प्रदान करेगा, जो मात्र 30 वर्ष की आयु में देश के लिए शहीद हो गया। इसके अलावा, विश्वविद्यालय परिवार के एक सदस्य को नौकरी का अवसर भी प्रदान करेगा, जो देश की स्वतंत्रता की रक्षा करने वालों के परिवारों का समर्थन करने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आज बिधोली क्रिकेट ग्राउंड में इस टूर्नामेंट का उद्घाटन हुआ। इस साल की प्रतियोगिता में आठ टीमें भाग ले रही हैं: यूपीईएस ब्लू, पे जल निगम, पीडब्ल्यूडी, यूपीसीएल रुड़की, सिंचाई हरिद्वार, एमडीडीए, कृषि और जल संस्थान। ये टीमें अगले सप्ताह चैंपियनशिप खिताब के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा करेंगी। फाइनल मैच 9 जनवरी को होना है। लगभग एक दशक पहले शुरू किया गया शहीद मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट एक वार्षिक परंपरा बन गया है जो विश्वविद्यालय के उद्देश्य-संचालित संस्थान होने के दर्शन को दर्शाता है। गैर-लाभकारी आधार पर आयोजित इस कार्यक्रम को बड़े पैमाने पर यूपीईएस, इसके कर्मचारियों और भाग लेने वाली टीमों के स्वैच्छिक योगदान द्वारा समर्थित किया जाता है। प्रोजेक्ट नमन और अन्य सीएसआर पहलों के माध्यम से, यूपीईएस भारत के बहादुरों के बलिदानों का सम्मान करके और उनके परिवारों का समर्थन करके समुदाय में एक सार्थक प्रभाव पैदा करना जारी रखता है।